

नमूना रिपोर्ट • काल्पनिक व्यक्ति

आरव शर्मा की पाश्चात्य मेल रिपोर्ट

दो सायन कुंडलियों की तुलना: दोनों के सूर्य, चंद्र और लग्न, आपके ग्रहों के बीच की
दृष्टियाँ, तत्वों और स्वभाव का संतुलन, एक-दूसरे के भावों में आपकी स्थिति, और
अंक की ईमानदार व्याख्या।

साथ में Meera Iyer, जन्म 22 मार्च 1993, Chennai, Tamil Nadu, India

जन्म

स्थान

सूर्य • चंद्र

लग्न (राइजिंग)

15 अगस्त 1991, 06:40

Jaipur, Rajasthan, India

सिंह • तुला

कन्या

इस रिपोर्ट में

01 आप दोनों

02 आपकी कुंडलियों के बीच की दृष्टियाँ

03 तत्व और स्वभाव का संतुलन

04 एक-दूसरे के भावों में

05 आपका अंक, समझाया गया

06 यह रिपोर्ट कैसे बनी

OI आप दोनों

आरव

आरव का सूर्य सिंह राशि में है: आरव स्वयं को गर्मजोशी और उदारता से, स्वाभिमान, रचनात्मकता और पहचाने जाने की इच्छा के साथ व्यक्त करते हैं। आरव का चंद्र तुला राशि में है: भावनात्मक रूप से वे शालीनता और न्याय से, साझेदारी, संतुलन और सुरुचि के ज़रिए प्रतिक्रिया देते हैं। आरव का लग्न कन्या है।

आरव का शुक्र कन्या राशि में है: प्रेम में आरव सावधानी और उपयोगिता से, कौशल, विश्लेषण और शांत सेवा के ज़रिए जुड़ते हैं। आरव का मंगल कन्या राशि में है: आरव अपने लक्ष्यों की ओर सावधानी और उपयोगिता से, कौशल, विश्लेषण और शांत सेवा के ज़रिए बढ़ते हैं।

मीरा

मीरा का सूर्य मेष राशि में है: मीरा स्वयं को सीधे और साहस से, तेज़ शुरुआत के साथ, और धैर्य सीखने की ज़रूरत के साथ व्यक्त करते हैं। मीरा का चंद्र मीन राशि में है: भावनात्मक रूप से वे कोमलता और कल्पना से, करुणा, अंतर्ज्ञान और कलाओं के ज़रिए प्रतिक्रिया देते हैं। मीरा का लग्न मिथुन है।

मीरा का शुक्र मेष राशि में है: प्रेम में मीरा सीधे और साहस से, तेज़ शुरुआत के साथ, और धैर्य सीखने की ज़रूरत के साथ जुड़ते हैं। मीरा का मंगल कर्क राशि में है: मीरा अपने लक्ष्यों की ओर संरक्षण और भावना से, घर, परिवार और स्मृतियों की देखभाल के ज़रिए बढ़ते हैं।

02 आपकी कुंडलियों के बीच की दृष्टियाँ

दो कुंडलियों के बीच की दृष्टियाँ दिखाती हैं कि आरव और मीरा की ऊर्जाएँ एक-दूसरे से कैसे मिलती हैं। सूर्य, चंद्र, शुक्र और मंगल के संपर्क सबसे अधिक महत्व रखते हैं, इसलिए वे पहले दिए गए हैं। कुल 28 दृष्टियाँ मिलीं।

आरव का सूर्य — मीरा का शुक्र

आरव का सूर्य और मीरा का शुक्र में त्रिकोण (कोण से अंतर 4.1°): एक सहज, मददगार संपर्क। स्वाभाविक प्रवाह और जन्मजात प्रतिभा; यह गुण सच्चा है, और सचेत उपयोग से बढ़ता है।

आरव का शुक्र — मीरा का लग्न बिंदु

आरव का शुक्र और मीरा का लग्न बिंदु में चतुर्थांश (कोण से अंतर 4.5°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। एक रचनात्मक खिंचाव: दोनों अलग दिशाओं में खींचते हैं, और दोनों को साधना सच्चा कौशल बनाता है।

आरव का बुध — मीरा का बुध

आरव का बुध और मीरा का बुध में प्रतियुति (कोण से अंतर 6.6°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो जरूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

आरव का मंगल — मीरा का चंद्र

आरव का मंगल और मीरा का चंद्र में प्रतियुति (कोण से अंतर 0.5°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो जरूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

आरव का शनि — मीरा का सूर्य

आरव का शनि और मीरा का सूर्य में षष्ठांश (कोण से अंतर 0.6°): एक सहज, मददगार संपर्क। एक सहज, सहयोगी संबंध, जो पहल करने पर अवसर खोलता है।

आरव का चंद्र — मीरा का शनि

आरव का चंद्र और मीरा का शनि में त्रिकोण (कोण से अंतर 0.9°): एक सहज, मददगार संपर्क। स्वाभाविक प्रवाह और जन्मजात प्रतिभा; यह गुण सच्चा है, और सचेत उपयोग से बढ़ता है।

आरव का सूर्य — मीरा का शनि

आरव का सूर्य और मीरा का शनि में प्रतियुति (कोण से अंतर 3.9°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो जरूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

आरव का शुक्र — मीरा का बुध

आरव का शुक्र और मीरा का बुध में प्रतियुति (कोण से अंतर 6.5°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो ज़रूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

आरव का बुध — मीरा का लग्न बिंदु

आरव का बुध और मीरा का लग्न बिंदु में चतुर्थांश (कोण से अंतर 4.6°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। एक रचनात्मक खिंचाव: दोनों अलग दिशाओं में खींचते हैं, और दोनों को साधना सच्चा कौशल बनाता है।

आरव का लग्न बिंदु — मीरा का शनि

आरव का लग्न बिंदु और मीरा का शनि में प्रतियुति (कोण से अंतर 4.4°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो ज़रूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

आरव का यम — मीरा का चंद्र

आरव का यम और मीरा का चंद्र में त्रिकोण (कोण से अंतर 1.9°): एक सहज, मददगार संपर्क। स्वाभाविक प्रवाह और जन्मजात प्रतिभा; यह गुण सच्चा है, और सचेत उपयोग से बढ़ता है।

आरव का सूर्य — मीरा का यम

आरव का सूर्य और मीरा का यम में चतुर्थांश (कोण से अंतर 3.6°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। एक रचनात्मक खिंचाव: दोनों अलग दिशाओं में खींचते हैं, और दोनों को साधना सच्चा कौशल बनाता है।

आरव का चंद्र — मीरा का अरुण

आरव का चंद्र और मीरा का अरुण में चतुर्थांश (कोण से अंतर 4.9°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। एक रचनात्मक खिंचाव: दोनों अलग दिशाओं में खींचते हैं, और दोनों को साधना सच्चा कौशल बनाता है।

आरव का वरुण — मीरा का मंगल

आरव का वरुण और मीरा का मंगल में प्रतियुति (कोण से अंतर 0.5°): ऐसा संपर्क जो समझ और प्रयास माँगता है। दो ज़रूरतों के बीच झूला, जो अक्सर दूसरों के माध्यम से अनुभव होता है, और चुनाव नहीं, संतुलन माँगता है।

03 तत्व और स्वभाव का संतुलन

आरव

आरव की कुंडली में दस ग्रहों का तत्व-विभाजन: अग्नि 2, पृथ्वी 5, वायु 2, जल 1। सबसे प्रबल तत्व पृथ्वी है। पृथ्वी व्यावहारिकता, धैर्य और विचारों को साकार करने की क्षमता देती है।

सबसे कम तत्व जल है। कम जल होने पर भावनाओं को नाम देना, चाहे डायरी में ही, उन्हें बहने देता है।

स्वभाव के अनुसार: चर 3, स्थिर 4, द्विस्वभाव 3। स्थिर राशियों पर जोर एक पालनकर्ता दिखाता है: आप बनाते हैं, थामे रखते हैं और काम पूरा करते हैं।

मीरा

मीरा की कुंडली में दस ग्रहों का तत्व-विभाजन: अग्नि 2, पृथ्वी 2, वायु 2, जल 4। सबसे प्रबल तत्व जल है। जल सहानुभूति, अंतर्ज्ञान और भावनात्मक गहराई देता है।

सबसे कम तत्व अग्नि है। कम अग्नि होने पर आगे बढ़ने की वजह को सावधानी से जगाना पड़ सकता है: छोटे लक्ष्य रखें और उनकी खुशी मनाएँ।

स्वभाव के अनुसार: चर 6, स्थिर 2, द्विस्वभाव 2। चर राशियों पर जोर एक आरंभकर्ता दिखाता है: आपको पहल करना और दिशा तय करना पसंद है।

दोनों साथ

आरव में पृथ्वी और मीरा में जल तत्व प्रबल है: आपके अंतर एक-दूसरे को पूरा कर सकते हैं, यदि हर एक दूसरे की गति का सम्मान करे।

04 एक-दूसरे के भावों में

भाव ओवरले दिखाते हैं कि एक व्यक्ति के ग्रह दूसरे के जीवन के किस क्षेत्र को छूते हैं। जिस भाव में साथी के ग्रह आते हैं, वह क्षेत्र इस संबंध में जाग उठता है।

मीरा के भावों में आरव के ग्रह

आरव का सूर्य मीरा के तीसरे भाव में आता है: संवाद, भाई-बहन, पड़ोस, छोटी यात्राएँ और रोज़ की सीख।

आरव का चंद्र मीरा के पाँचवें भाव में आता है: रचनात्मकता, प्रेम-संबंध, खेल, संतान और आत्म-बात रखने की कला।

आरव का बुध मीरा के चौथे भाव में आता है: घर, परिवार, जड़ें और भीतरी सुरक्षा।

आरव का शुक्र मीरा के चौथे भाव में आता है: घर, परिवार, जड़ें और भीतरी सुरक्षा।

आरव का मंगल मीरा के चौथे भाव में आता है: घर, परिवार, जड़ें और भीतरी सुरक्षा।

आरव का बृहस्पति मीरा के तीसरे भाव में आता है: संवाद, भाई-बहन, पड़ोस, छोटी यात्राएँ और रोज़ की सीख।

आरव का शनि मीरा के नौवें भाव में आता है: उच्च शिक्षा, यात्रा, आस्था और अर्थ की खोज।

आरव के भावों में मीरा के ग्रह

मीरा का सूर्य आरव के आठवें भाव में आता है: साझा साधन, घनिष्ठता, भरोसा और गहरा बदलाव।

मीरा का चंद्र आरव के सातवें भाव में आता है: साझेदारी, विवाह, घनिष्ठ सहयोगी और खुले प्रतिद्वंद्वी।

मीरा का बुध आरव के सातवें भाव में आता है: साझेदारी, विवाह, घनिष्ठ सहयोगी और खुले प्रतिद्वंद्वी।

मीरा का शुक्र आरव के आठवें भाव में आता है: साझा साधन, घनिष्ठता, भरोसा और गहरा बदलाव।

मीरा का मंगल आरव के ग्यारहवें भाव में आता है: मित्र, समूह, संपर्क और भविष्य की आशाएँ।

मीरा का बृहस्पति आरव के दूसरे भाव में आता है: धन, संपत्ति, आत्म-मूल्य और आपके मूल्य।

मीरा का शनि आरव के छठे भाव में आता है: दैनिक काम, सेहत की आदतें, दिनचर्या और सेवा।

05 आपका अंक, समझाया गया

अंक: 100 में से 69

यह अंक तीन भागों से बना है, और हर भाग नीचे दिखाया गया है ताकि आप देख सकें कि यह कैसे बना। यह संबंध पर कोई निर्णय नहीं है: कोई भी अंक अच्छे या कठिन संबंध की गारंटी नहीं देता।

सामंजस्य (आधा भार): 38%। सहज दृष्टियों (त्रिकोण, षष्ठांश) का भार 15.5, चुनौती वाली दृष्टियों का 25.9 और युतियों का 0.1 है; युतियाँ आधी गिनी जाती हैं।

संपर्क की शक्ति (30% भार): 100%। यह दिखाती है कि दोनों कुंडलियाँ कितनी और कितनी निकट दृष्टियों से जुड़ी हैं; सूर्य, चंद्र, शुक्र और मंगल के संपर्क अधिक भार रखते हैं।

तत्व मेल (20% भार): 100%। यह अग्नि-वायु और पृथ्वी-जल ग्रहों के अनुपात की तुलना है।

♦ आरव और मीरा: 100 में से 69

अंक को कैसे पढ़ें

चुनौती वाली दृष्टियाँ बुरी नहीं होतीं: वे अक्सर आकर्षण और विकास लाती हैं। कम अंक का अर्थ है कि संबंध को अधिक सचेत प्रयास चाहिए; अधिक अंक का अर्थ है कि कई बातें सहज रूप से चलती हैं। हर संबंध अंत में दो लोगों के चुनावों और देखभाल से बनता है।

06 यह रिपोर्ट कैसे बनी

यह रिपोर्ट पाश्चात्य परंपरा के सायन राशिचक्र और प्लासिडस भाव पर आधारित है। मुख्य दृष्टियों की सीमाएँ: युति और प्रतियुति 8°, चतुर्थांश और त्रिकोण 6°, षष्ठांश 4°, सूर्य या चंद्र होने पर 2° अधिक। गोचर की सीमा 3° (षष्ठांश 2°) रखी गई है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई। हर स्थिति की गणना उन्नत iAstroGuru इंजन ने की है। यह रिपोर्ट उन्हीं गणनाओं की स्वचालित व्याख्या है, और बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से गुजरी है। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है; यहाँ कुछ भी चिकित्सा, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।

इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।



Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)

Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:36 IST

Document ID IAG-M871-HD98-JQ09